नयी दिशा नयी उषा

बढ़ रहे हैं हम नयी दिशा के ओर
सभी लोगों का मन में इसका ही शोर।
लगे पड़े हैं एक नयी उषा से
लेकिन, चलना है सही दिशा से ॥

बिलकुल अलग, प्राचीन काल से
शायद शुरू हो भारत से।
पता था कुछ पहले से
कि सभी मिलेंगे तो होगा आसानी से ॥

नयी दिशा का मतलब समझते हो तुम?
जाती-भेद, ऊच नीच को करना कम;
देश की अभिवृद्धी पर लगाना दम
और मिटाना अकेलापन का गम ॥

कहाँ से आएगा ऐसी नयी उषा,
जब लोग कर बैठे हैं नशा ।
अवश्यकता है एक अच्छी शिक्षा
कोई तो होगा इसका करने रक्षा ॥

एक ही तो है अपना गुटालिश
वह है एक विद्यार्थी आदर्श ।
लाना है सभी के मुख में हर्ष
करना बाकी है पढ़ाई कुछ वर्ष ॥

चिंता ना करो बालक
तुम्ही हो देश का संरक्षक ।
बनो और भी सशक्त
देना है देश को बढ़िया भविष्य ॥

चाहिए थोड़ा बहुत आधुनिकता
जैसे कीमती कृत्रक बुद्धिमत्ता ।
वर्तमान में बना देता है आगे की कथा
रच रहा है नयी उषा के साथ चलित्रगाथा ॥

हर क्षेत्र में है इसका उपयोग
अच्छा भी है इसका संयोग ।
मदद करता है वैद्यों को ढूंढने में रोग,
बढ़ा होनी है ज्यादा उपयोग ॥

जीना है प्रकृति के साथ-साथ
नई दिशा नई उषा के साथ-साथ ।
करते रहें सदाशय दिन रात
एक दिन बनेगा इसका भी गीत-गात ॥